हर मंडल में बनेंगी सोलर उत्पाद निर्माण इकाइयां

हर ग्राम पंचायत में होगी सूर्य सखियों की तैनाती

लखनऊ। प्रदेश सरकार ने सौर उर्जा के क्षेत्र में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने का निर्णय लिया है। सरकार 10 हजार महिलाओं को रोजगार से जोड़ने के लिए पर्यावरण सखियों को प्रशिक्षण देगी। हर मंडल में सौर उत्पाद निर्माण इकाइयों की स्थापना का जाएगी। इन इकाइयों से 540 महिलाओं को सीधे रोजगार प्रदान किया जाएगा। ये इकाइयां सौर पैनल, बैटरी, और अन्य अत्याधुनिक उत्पादों के निर्माण पर केंद्रित होंगी।

वित्तीय वर्ष 2024-25 में लखनऊ में एक सौर उत्पाद निर्माण इकाई शुरू की गई। साथ ही 20 जिलों के 207 विकास खंडों में 414 सौर शॉप्स स्थापित की गई, जिससे 414 महिलाओं को लाभ हुआ। इसके अलावा 80 सौर फूड प्रोसेसिंग मशीन, ड्रायर और डीप फ्रीजर स्थापित किए गए। साथ ही 60 महिलाओं को 'सूर्य सखी' के रूप में प्रशिक्षित किया गया। मिशन निदेशक दीपा रंजन ने योजना के बारे में बताया कि अगले तीन सालों में उत्तर प्रदेश को सौर ऊर्जा और महिला सशक्तीकरण का केंद्र बनाने के लिए रोडमैप तैयार किया गया है।

हर विकास खंड में औसतन चार दुकानें खोली जाएंगी, जो सौर लालटेन, चार्जर और छोटे घरेलू उपकरणों की बिक्री और मरम्मत के लिए हब के रूप में काम करेंगी। प्रदेश की सभी 57702 ग्राम पंचायतों में सूर्य सखियों की तैनाती की जाएगी। ये ऊर्जा उत्पादों के उपयोग, रखरखाव, और जागरूकता फैलाने की जिम्मेदारी लेंगी। ब्यूरो